विवरण–2

पिछले तीन वर्षों के दौरान मार्ग में गुम और क्षतिग्रस्त हुये खाद्यान्नों की मात्रा

(आंकड़े लाख मीटरी टन में)

वर्ष	मार्ग में गुम हुये खाद्यान्नों की मात्रा	वर्ष	खाद्यान्नों की वह मात्रा जिसे क्षतिग्रस्त स्टाक माना गया: ठोस से क्षति-ग्रस्त अनाज के रूप में अन्तरित खाद्यान्नों की मात्रा	भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में खाद्यान्नों का औसत स्टाक	भण्डारण में औसत स्टाक के प्रति क्षति-ग्रस्त अनाज की प्रति-शतता
1989–90	2.38	1990–91	0.21	132.31	0.17
1990–91	3.44	1991–92	0.19	122.96	0.15
1991–92	4.12	1992–93	0.13*	97.38	0.13

मार्ग में गुम हो गई मात्रा का हिसाब लगाने के लिये 1992–93 के लेखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

*अनन्तिम और लेखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

Storage Capacity of Wheat in Punjab

3362. SHRI SHIVAJ1RAO G1R-OHAR PATIL: Wilt the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) what is the permanent storage capacity for wheat to be produced by Government in Punjab for this year and what was the same last year;

(b) what is the quantity of wheat procured this year by Government;

(c) whether the quantity procured exceeded the storage capacity; and

(d) if so, what alternative anangements were taken by Government to store the same or for the movement of grain from Punjab and North Zemes to other Zones?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) There is no storage capacity exclusively earmarked for wheat. However, the total storage capacity with Food Corporation of India for storage of foodgrains in Punjab as n 1-7-1912 and 1-7-1993 was as follows

As on	Capacity (In lakh tonnes)
1.7.1992	48.91
1.7.1993	53.84

(b) The Agency-wise quantity of wheat procured in Punjab during this year (upto 13-8-1993) is as follows:—

Agency	Quantity (In lakh tonnes)
F.C.I.	21.07
State Govt.	7.67
PUNSUP	17.09
MARKFED	19.10
Total	64.93

(c) and (d) The quantity of wheat procured by FCI did not exceed the total storage capacity available with FCI in Punjab. However, as the entire storage! capacity was not available due to occupation by other stocks, CAP storage was vestored to accommodate part of he wheat stocks procured during the current rabi season by FCI. Similar arrangement were also made by the State agencies. As entire stock procured has to be moved out, a movement plan was drawn to move the stocks to the consuming States and wherever storage capacity is required to accommodate such stocks, covered or CAP storage capacity. is hired in a phased manner to accommodate such stocks.

Establishment of New Sugar Factory in Gujarat

3363. SHRI VLTHALBHAI M. PATEL; Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether Government have rece ived any proposal from the State of Gujarat for change of location for estab lishment of New Sugar Factories;

(b) if so, what action Government have taken; and

(c) by when the proposals from the State of Gujarat are likely to be; finalised?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (c) The Central Government has received six proposals for changes of location of new sugar factories in Gujarat. In five cases, approvals have been granted and necessary amendments have also been made in the Letters of Intent. The required information in respect of one case has been received recently and is being processed.

गुड़गांव में भारतीय खाद्य निगम के प्रशिक्षण काम्पलेक्स का निर्माण

3364. डा० **नौनिहाल सिंह** : क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान गुड़गांव में चल रहे भारतीय खाद्य निगम के प्रशिक्षण काम्पलेक्स के निर्माण कार्य में क्या प्रगति हुई है और इसका निर्माण कार्य किस अधिकरण को सौंपा गया है तथा इसके निर्माण की अनुमानित लागत कितनी है और इस पर अभी तक कितनी धनराशि खर्च की जा चुकी है ;

(ख) इस प्रशिक्षण काम्पलेक्स हेतु कब और किससे भूमि खरीदी गई थी और उसका मूल्य कितना था ; और

(ग) इस काम्पलेक्स का निर्माण कार्य धीमी गति से चलने के क्या कारण हैं और इसके लिये जिम्मेदार अधिकारियों का ब्यौरा क्या है और दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है अथवा किये जाने की संभावना है?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) परामर्शदाताओं की नियुक्ति करने, डिजाइन तैयार करने, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से नक्शों का अनुमोदन करवाने, अनुमान तैयार करने, भारतीय खाद्य निगम के निदेशक मंडल द्वारा परियोजना का अनुमोदन करने, परामर्शदाताओं द्वारा वास्तुशिल्पीय और संरचनात्मक संबंधी विस्तृत ड्राइंग तैयार करने, टेंडर आमंत्रित करने के प्रारंभिक कार्यों को पिछले तीन वर्षों में पूरा कर लिया गया है । संस्थान